हे राम भक्त हनुमान | By Rajkumar , Anjana |

हे राम भक्त हनुमान,
तुझे मैंने तो अब पहचान लिया।
तू दुष्ट संहारक है,
तेरे भक्तों ने तुझको सहारा मान लिया।।

सुग्रीव बाली से डरकर जब,
उस निर्जन गिरी पर रोता था,
तब तू ही तो धीरज देकर,
उसके दुख-दर्द को हरता था।
फिर राम से उसे मिलाया,
और सुग्रीव को अभय प्रदान किया।।

जब रावण ने मुनि भेष बना,
माता सीता को हर डाला,
हनुमान ने लंका जलाकर,
माता का संशय हर डाला।
फिर चूड़ामणि लाए मां की,
और प्रभु मन को भी विश्राम दिया।।

जब शक्ति लगी लक्ष्मण को,
तब तू ही तो बूटी लाया था,
बूटी रूपी औषधि से फिर,
लक्ष्मण का प्राण बचाया था।
तब राम ने कहा पवनसुत से,
"तूने तो ऋणी ही बना डाला!" ॥

लंका में जब युद्ध मचा,
रावण ने तुझे ललकारा था,
तब राम नाम लेकर तूने,
रावण को मुक्का मारा था।
रावण मूर्छित हो जागा तब,
बोला : "कपि बल ने कमाल किया!"।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-rajkumar-anjana/